असम ओलंपिक संघ के खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण

दिनांक 11 अक्टूबर 2023, बुधवार	समय : 7.00 PM	स्थान : DTRP Indoor Stadium

- असम ओलंपिक संघ के महासचिव श्री लख्य कुंवर जी,
- भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के महासचिव श्री हेमंत कुमार कलिता जी,
- पुलिस महानिदेशक श्री जी.पी. सिंह जी,
- असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री सरंगापानी शर्मा जी,
- प्रसिद्ध गायक श्री जुबिन गर्ग जी,
- खेल रत्न से सम्मानित एवं ओलंपिक पदक विजेता श्रीमती लवलिना बोरगोहाईं
- असम ओलंपिक संघ के सम्मानित सदस्यगण
- उपस्थित अन्य अतिथिगण एवं खेल प्रशंसक
- मीडिया के हमारे मित्रों,

नमस्कार!

खिलाड़ियों के इस सम्मान समारोह में आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसनन्ता हो रही है। आज यहां हम अपने एथलीटों के शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

हमारे देश एवं राज्य का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का सम्मान करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं असम ओलंपिक संघ और असम मुक्केबाजी संघ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

मैं इस अवसर पर 19वें एशियाई खेलों में असम का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 7 (सात) एथलीटों को बधाई देता हूं। ओलंपियन और खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती लवलीना बोरगोहाईं को रजत पदक और क्रिकेट खिलाड़ी सुश्री उमा छेत्री को स्वर्ण पदक जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई। उनकी प्रतिभा को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मैं असम ओलंपिक संघ और असम मुक्केबाजी संघ का बहुत आभारी हूं।

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हाल ही में चीन में संपन्न हुए 19वें एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत ने कुल 107 पदक जीते, जिनमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। यह आंकड़ा 2018 में संपन्न जकार्ता एशियाई खेलों से बेहतर है। जकार्ता में भारत ने 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य पदकों के साथ कुल 70 पदक हासिल किए थे।

यह दर्शाता है कि हमारा देश खेल क्षेत्र में लगाता प्रगति कर रहा है। मुझे खुशी है कि हमारे खिलाड़ी अथक समर्पण, अदम्य भावना और खेल उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं एशियाई खेलों के सभी पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई देता हूं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि एशियाई खेल एशिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ है। यह हर 4 साल में एक बार ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया द्वारा आयोजित किया जाता है। पहला एशियाई खेल द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तुरंत बाद 1951 में आयोजित किए गए थे।

भारत सरकार ने खेलों के माध्यम से एशिया में शांति स्थापित करने, युद्ध में टूटे हुए एशियाई देशों के बीच संबंधों को फिर से जोड़ने के उद्देश्य से इसके आयोजन की वकालत की थी। भारत सरकार के प्रयासों से पहला एशियाई खेल दिल्ली में आयोजित किया गया था, जिसमें जापान सहित 11 देशों ने भाग लिया था। तब से खेल देशों के बीच मित्रता, सौहार्द और सद्भावना को बढ़ावा देने एक बड़ा माध्यम बन गया।

भारत में 1951 में शुरू हुआ है एशियाई खेल अब तक 19 बार आयोजित किया जा चुका है। हाल ही में चीन ने हांगझू शहर में 19वें एशियाई खेलों की सफल मेजबानी की। अब अगला एशियाई खेल 2026 में जापान के आइची-नागोया में आयोजित किया जाएगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अगले एशियाई खेलों में भारत की पदक तालिका का रिकॉर्ड इस वर्ष की उपलब्धि से और अधिक रहेगा।

मैं असम सहित देश के सभी खिलाड़ियों से प्रोत्साहित करना चाहता हूं कि वे समर्पण, कड़ी मेहनत और कुशलता से अपने खेल के स्तर में और सुधार करें। सभी बड़े खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और अपने देश व राज्य का परचम लहराएं।

मैं खेल संघों से भी अपील करता हूं कि वे खिलाड़ियों के लक्ष्यों को हासिल करने में उनकी हर संभव सहयोग दें। उन्हें देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि खेलों में भारत का स्तर सबसे ऊंचा हो।

मित्रों,

जब हम एशियाई खेलों के बारे में बात करते हैं तो असम के अर्जुन पुरस्कार विजेता और एशियाई खेल 1966 के स्वर्ण पदक विजेता श्री भोगेश्वर बरुआ का नाम नहीं लेना हमारी अकृतज्ञता होगी। वे असम के युवा खिलाड़ियों के सदैव प्रेरणास्त्रोत रहें हैं और भविष्य में भी रहेंगे।

मैं एक बार फिर एशियाई खेलों में असम का प्रतिनिधित्व करने वाले तथा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों व एथलीटों को बधाई देता हूं। आप भविष्य में बड़े खेल आयोजनों में शानदार प्रदर्शन करें एवं देश का मान बढ़ाएं। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।